गुंजन सक्सेना-द कारगिल गर्ल

एक समय था, जब महिलाएं सेना में न के बराबर होती थीं। होती भी थीं, तो इंजीनियरिंग, मेडिकल, कानूनी, सिग्नल और शैक्षिक विंग जैसे विभागों में। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में स्थितियां बदली हैं। अवनि चतुवेर्दी, भावना कंठ और मोहना सिंह आज कॉम्बैट पायलट बन लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। नौसेना में भी अब महिलाएं पहुंच गई हैं। भारतीय सेना ने भी अब महिलाओं की क्षमता को देखते हुए उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने का फैसला किया है।

100 महिला सैनिकों के पहले बैच को मार्च, 2021 तक कमीशन प्रदान किए जाने की संभावना है। आज जो स्थितियां बदली हैं, उनमें गुंजन सक्सेना जैसी महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने अपनी क्षमता, लगन और दृढ़ता से लड़कियों को आसमान में उड़ान भरने की प्रेरणा दी है। गुंजन युद्ध क्षेत्र में हेलीकॉप्टर उड़ाने वाली वायुसेना की पहली महिला पायलट थीं। उन्होंने कारगिल युद्ध के समय यह कारनामा किया था। उनका काम युद्धक्षेत्र में सैनिकों को सामान की आपूर्ति करना, घायल व शहीद सैनिकों को युद्धक्षेत्र से निकाल कर ले आना और दुश्मन पर निगरानी रखने में सहायता करना था। उन्हें वीरता पुरस्कार ह्यशौर्य चक्रह्ल से भी सम्मानित किया गया था। उन्हें ह्यकारगिल गर्लह्ल के नाम से भी जाना जाता है।

फिल्म **गुंजन सक्सेना-द कारगिल** उन्हीं गुंजन की कहानी को प्रस्तुत करती है। यह फिल्म कारगिल युद्ध में गुंजन के शौर्य को बस एक संदर्भ के रूप में दिखाती है, उसके विस्तार में नहीं जाती। यह मूल रूप से उनके पायलट बनने और उसके बाद खुद को स्थापित करने के संघर्ष को चित्रित करती है। फिल्म समाज की इस धारणा को भी चुनौती देती है कि सेना में शामिल होना, पायलट बनना सिर्फ पुरुषों का काम है और महिलाएं ऐसे काम नहीं कर सकतीं। फिल्म की पटकथा ठीक है। शरण शर्मा का निर्देशन भी ठीक है। पर फिल्म को मसालेदार बनाने के क्रम में लेखक-निर्देशक ने वायुसेना को थोड़ा नकारात्मक रूप में चित्रित कर दिया हैं। पुरुष पायलटों और अधिकरियों को फिल्म के ज्यादातर हिस्सों में इस तरह दिखाया गया है, जैसे वे गुंजन सक्सेना से नफरत करते हों। हां, इसमें दो राय नही है कि तब वायुसेना में महिलाए नहीं होती थीं, तो किसी महिला के यूनिट में आ जाने से असहजता जरूर थी।

महिलाओं के लिए तब यूनिट में शौचालय, चेंजिंग रूम नहीं होते थे, जिसके कारण उन्हें परेशानियों से गुजरना पड़ता था। लेकिन वायुसेना ने जल्दी ही इन विसंगतियों को दूर किया। गुंजन सक्सेना ने स्वयं एक बार कहा था कि उन्हें कई मुश्किलों से गुजरना पड़ा था। लेकिन पुरुष पायलटों ने उनकी उम्मीद से ज्यादा जल्दी स्थिति को स्वीकार कर लिया था। वैसे क्लाइमैक्स में निर्देशक ने इस गड़बड़ी को ठीक करने की कोशिश की है। फिल्म दर्शकों को बांधे रखने में कामयाब है। गुंजन की भूमिका में जाह्नवी कपूर अच्छी लगी हैं। हालांकि इसे वह और बेहतर तरीके से कर सकती थीं। गुंजन के पिता अशोक कुमार सक्सेना के किरदार में पंकज त्रिपाठी अपने चिर-चरिचित अंदाज में हैं। मां कीर्ति सक्सेना के रोल में आयशा रजा कभी कभी फरीदा जलाल की याद दिताती हैं। भाई के किरदार में अंगद बेदी के पास करने के लिए कुछ खास था नहीं। फ्लाइट कमांडर दिलीप कुमार की भूमिका में विनीत कुमार प्रभावशाली लगे हैं। कमांडिंग ऑफिसर गौतम सिन्हा के किरदार में मानव विज का अभिनय भी अच्छा है। अन्य कलाकार भी ठीक हैं। यह फिल्म प्रेरित करती है और बताती है कि महिलाएं युद्धक्षेत्र और कठिन हालातों में भी पूरी सक्षमता के साथ कार्य कर सकती हैं। यह देखने लायक फिल्म है।

सीजन 12 में क्या हुए अहम बदलाव

इंडियन आइडल : ऑडिशन से लेकर शो के सेट तक...

छोटे पर्दे के डांस रियलिटी शो इंडियन आइडल के सीजन 12 का आगाज हो चुका है। आज से इस सीजन के मुकाबले का सिलसिला शुरू होगा और एक बार फिर से कई शानदार प्रतिभा देखने को मिलेगी। इस शो की शूटिंग मुंबई के फिल्म सिटी में होती है। इंडियन आइडल हमेशा से चर्चित रियलिटी शो रहा है। हम आपको इसके सीजन 12 से जुड़ी खास बातें बताते हैं। इंडियन आइडल 12 के जज हिंदी सिनेमा के तीन दिग्गज गायक नेहा कक्कड़, विशाल ददलानी और हिमेश रेशमिया हैं। वहीं एक बार फिर से इस शो को अभिनेता और गायक आदित्य नारायण होस्ट कर रहे हैं।

कोरोना महामारी के चलते इस बार इंडियन आइडल 12 के ऑडिशन काफी अलग हुए हैं। इस बार इस शो के शुरूआती ऑडिशन को ऑनलाइन किया गए था। कंटेस्टेंट्स को पहले अपना एक सिंगिग वीडियो बनाकर सोनी लिव के एप पर साझा करना था। वीडियो सिलेक्शन के बाद कंटेस्टेंट्स को मुंबई स्टूडियो राउंड के लिए बुलाया गया। जहां उनका सिलेक्शन हुआ था। पहली बार ऐसा हुआ है जब हजारों लोगों की भीड़ इंडियन आइडल के ऑडिशन में दिखाई नहीं दी थी। इससे पहले लोगों की भीड़ हमेशा से ऑडिशन के लिए जाती हुई दिखाई देती थी।

ऑनलाइन ऑडिशन की चलते इस बार इंडियन आइडल 12 के जज को कुछ ऐसे प्रतीभाशली कंटेस्टेंट्स भी मिले हैं, जिनकी कभी लोगों की तक खूबसूरत आवाज नहीं पहुंच पाई। साथ ही इस बार कोरोना महामारी के देखते हुए इंडियन आइडल के सेट पर काफी बदलाव किया है। ताकि शो के जज और कंटेस्टेंट्स की सुरक्षा का ध्यान में रखा जा सके। यह बदलाव तकनीकी तौर पर भी किए गए हैं। आपको बता दें कि इंडियन आइडल के अब तक 11 सीजन हो चुके हैं। इस सिंगिग रियलिटी शो ने बॉलीवुड और हिंदी संगीत को कई प्रतिभाशाली और शानदार गायक दिए हैं। इस बहुचर्चित शो के जज कई दिग्गज गायक भी रह चुके हैं।

शहनाज गिल के 'तोड्डा कुत्ता टॉमी' डायलॉग पर यशराज ने बनाया मजेदार सॉन्ग

रिएलिटी शो बिग बॉस 13 से फेमस हुईं शहनाज गिल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों शहनाज का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसे फेमस यूट्यूबर और म्यूजिक कंपोजर यशराज मुखाटे ने अपने अंदाज में रिक्रिएट किया है। वीडियो में शहनाज गिल कहती हैं, "क्या करूं मैं मर जाऊं। मेरी कोई फीलिंग नहीं है। तुम्हारी फीलिंग तुम्हारी। तोड्डा कुत्ता टॉमी साडा कुत्ता, कुत्ता।"

यशराज ने बिग बॉस के इस वीडियो में म्यूजिक जोड़कर जबरदस्त सॉन्ग बनाया है, जिसमें शहनाज गिल डायलॉग बोलती नजर आ रही हैं। उन्होंने वीडियो सॉन्ग में मोहब्बतें फिल्म के गाने पैरों में बंधन है का ढोल बीट मिक्स किया है जो सुनने में काफी मजेदार है। यशराज ने वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, "टॉमी, दुख, दर्द, आंसू, फीलिंग। शहनाज गिल किसी भी भाषा में पंजाबी बोल सकती हैं। मैं इसे कैसे मिस कर सकता हूं।" इससे पहले यशराज मुखाटे ने शो 'साथ निभाना साथिया' के एक सीन पर रैप सॉन्ग बनाया था, जो जमकर वायरल हुआ था। वीडियो में शो की किरदार 'कोकिला' अपनी बहू 'गोपी' को डांटती हुई नजर आईं थी। आपको बता दें कि हाल ही में शहनाज गिल और सिद्धार्थ शुक्ला का म्यूजिक वीडियो शोना-शोना रिलीज हुआ था जिसे बहुत पसंद किया गया। वीडियो सॉन्ग में शहनाज और सिद्धार्थ की जबरदस्त केमस्ट्री नजर आई। मालूम हो कि बिग बॉस 13 में फैन्स को दोनों के बीच की केमेस्ट्री और बॉन्डिंग खूब पसंद आई थी। यही कारण है कि फैन्स ने दोनों को सिडनाज नाम दिया है।

भारत के चहेते वकील रूप में पंकज त्रिपाठी ने की वापसी

पिछले साल, पंकज त्रिपाठी ने क्रिमिनल जस्टिस में वकील माधव मिश्रा के यादगार किरदार में अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीता था। इस सीरीज में उन्होंने अपनी बुद्धि व दृढ़ निश्चय के बल पर एक मुश्किल केस हल किया। ऐसा लगता है कि माधव मिश्रा अब एक नया केस देख रहे हैं और उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल्स पर एक जन अपील की है तथा शो के लिए अपना लुक प्रस्तुत किया है। पंकज एक बार फिर सुगमता से अपने किरदार में डूब गए हैं और अपना कॉमिकल रूप दिखा रहे हैं।पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'अपने पसंदीदा किरदार-माधव मिश्रा के रूप में वापसी कर बहुत अच्छा लग रहा है।

मैं अभी ज्यादा कुछ नहीं बताऊंगा इसलिए ज्यादा जानकारी के लिए हमसे जुड़े रहिए।' हालांकि अन्य सभी जानकारी गोपनीय है, लेकिन सूत्रों की मानें तो फ्रेंचाईजी का अगला चैप्टर क्रिमिनल जस्टिसः बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स और भी ज्यादा दिलचस्प होने वाला है। पंकज त्रिपाठी का किरदार मिश्रा जी अपने अगले बड़े केस से सभी को चौंका देगा। इसके अलावा पंकज फिल्म शकीला में नजर आएंगे। फिल्म में पंकज, दक्षिण भारत के सुपरस्टार के रोल में दिखेंगे। फिल्म के पहले पोस्टर में वह एक हाथ में माइक और दूसरे हाथ में ट्रॉफी लिए नजर आ रहे हैं। शायद वह फिल्म अवॉर्ड्स जैसे किसी इवेंट में जीत के बाद इस तरह नजर आएंगे। पंकज त्रिपाठी का कहना है कि फिल्म में उनका रोल बेहद कलरफुल नजर आने वाला है। पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि हमारी मेहतन से बनी फिल्म शकीला क्रिसमस के मौके पर थिएटर्स में लगने वाली है।' इस फिल्म में मलयाली सिनेमा के अभिनेता राजीव पिल्लई भी दिखेंगे। डायरेक्टर इंद्रजीत ने कहा कि शकीला की जिंदगी में अचानक आए बदलावों से प्रेरित होकर उन्होंने फिल्म बनाने का फैसला लिया था। उन्होंने कहा कि यह फिल्म उन नवोदित ऐक्टर्स के लिए अहम होगी, जो फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहते हैं। उन लोगों को पता चलेगा कि फिल्म इंडस्ट्री में चमक-धमक और ग्लैमर के अलावा भी अन्य तमाम चीजें हैं।